विचित्रोपदेश ॥

comp.
Tiwari, Nakacheda

जिसमें

सुन्दर २ सामयिक कवित्त सवैया व षट्-
पदादि प्राचीन व वर्त्तमान कवियों
के संग्रह किये गये हैं ॥

वही

सम्पूर्ण चातुर्य पुरुषों के अवलोकनार्थ

तीसरी बार

लखनऊ

सुपरिंटेंडेंट बाबू मनोहरलाल भार्गव बी.ए., के प्रबन्ध से

मुंशी नवलकिशोर सी. आई. ई., के छापेखाने में
छपा-सन् १९१२ ई० ॥



विचित्रोपदेश ॥

दो० करम काल के दश निरखि, जगके विविधचरित्र ।
करि प्रणाम प्रभुको करों, संग्रहचित्रविचित्र ॥१॥

क० कूर भयेकुवँरमजूरभये मालिकार, शूर
भयेगुपंतअशूरभयेंजबरे । दाताभयेकृपणाअ
दाताकहैंदाताहम, धनीभयेनिधननिधनभयेग
बरे ॥ सांचनकीबातनापत्यारकोऊजगमांझ,
राजदरबारनबुलैयेलोगलबरे । भनतप्रवीनअ
बछीनभईहिम्मतिसो, कलियुगअदलबदलडारे
सिगरे १ ॥ सवैया ॥ खायकेपानबिदारतओठहैं
बैठिसभासेंबनेअलबेला । धोतीकिनारीकीसारी
सीओढ़तपेटबढ़ायकियेजसथेला ॥ बंशगुपाल

बखानिकहैंसुनोभूपकहायबनेफिरिछैला। शान करैंबड़ीसाहिबीकी अरुदानमेंदेतनाएकऊधेला २॥ कवित्त ॥ बारीऔखँगारनाऊधीमरकुहाँर काछी, खटिकदसौंधीयेहजूरकोसुहातहैं। कोल गोड़गूजरअहीरतेलीनीचसबै, पासकेरहेतेमहा ऊंचेभयेजातहैं ॥ बुधसेनराजनकेनिकटहमेश बसैं, कूकरबिलारकहागुणअधिकातहैं। दूरि हीगयन्दबांधेदूरिगुणवानठाढ़े, गजऔगुणीको कहामोलघटिजातहैं ३ ॥ छप्पय ॥ मरैसूमसर दारमरैवहकट्टरटट्टू। मरैहठीलीनारिमरैवह पुरुषनिखट्टू ॥ ब्राह्मणसोमरिजायहाथलैमदि राप्यावै। पूतवहीमरिजायजुकुलमेंदागलगावै॥ बेनियावराजामरैन्नींदधड़ाधरसोइये। बैताल कहैबिक्रमसुनोएतेमरेनरोइये ४ सरसरहंस न होतबाजगजराज न घरघर। तरुसरुसुफर न होतनारिपतिब्रता न घरघर ॥ तनतनसुमति न.

होतमलैगिरिहोत न बनबन । फनफनमणिनहिं होतमुक्कजलहोत न घनघन ॥ रनरनशूर न होत हैंजनजनहोत न भक्किहरि । नरहरिनिरखि कवित्तकहिसबनरहोत न एकसरि ५॥ कवित्त ॥ एरेगुनीगुनपाइचातुरीनिपुनपाइ, कीजियेनमैलीमैनकाहूजोकछूकरी । बीरनबिरानेद्वारगये कोयहीसुभाव, मनअपमानकाहूरेकरीकिजूकरी ॥ कूरऔकबिन्दचलेजातहैंसभाकेमध्य, तोसोतौ हटकिदेवीदासपलटूकरी । दरवाजेगज ठाढ़ेकुकरीसभाकेमध्य, कूकरीसोंकूकरीऔतूंकरीसोंतूकरी ६ ॥ छप्पय ॥ शशिकलंकरावणविरोधहनुमत्तसोबनचर । कामधेनुसोपशूजाय चिन्तामणिपत्थर ॥ अतिरूपस्तियबांझगुणीको निरधनकहिये । अतिसमुद्रसोखारिकमलबिच कंटकलहिये ॥ जैजुब्यासखेवट्टनीदुर्वासाआसन डिग्यो । कबिगीधकहैसुनुरेगुणीको उनकृष्णनि

मैलरच्यो ७ ॥ कवित्त ॥ दानबिनदरवनिदान ठहरानकौन, ज्ञानविनयशअपयशकरिकरिगे । कविरायसंतनिसुभायसुने सूमनके, धरमबिही नधनधरांधरिधरिगे ॥ कामआयेकाहूकेनदाम दुहूंदीननके, धामगाड़ेगाड़ेसबगथगरिगरिगे । बोरिबोरिबिरदबड़ाईबेशहूरकेते, जोरिजोरिकृप णकरोरिमरिमरिगे ८ गुणकोनपूछैकोऊऔगुण कीबातपूछै, कहाभयोदईकलियुगयोखरानोहै । पोथीऔपुराणज्ञानठट्ठनमेंडारदेत, चुगलचवा इनकोमानठहरानोहै ॥ कादरकहतजासों कछु कहिबेकी नाहिं, जगत की रीतिदेखिचुपमनमा नोहै । खोलि देखो हियो सबभांतिनसोंभांति भोयि, गुणनाहेरानोगुणगाहकहेरानोहै ९ दे खतकेनीकेपरिणामबहुआदरके, देखतंभलाई सदाजीवमेंजरेरहैं । भेदभेदपूछेसूंछेटेचतनआवे लाज, रूपकेसमूहसिन्धु आंखिनअरेरहैं ॥

कादरकहतजेनटीनकेतलाशिबेको, हाटबाटहू मेंदरबारमेंखरेरहैं। निन्दाकोजुनेमजिन्हें चुगलीअधारपर, स्वारथमिटाइबेकीखोजहीपरेरहैं १० सूरताईआंधरेमेंदृढ़ताईपाहनमें, नासिका चनान्तिमध्यनौनरहीहाटमें। धर्मरहोपोथिनबड़ाईरहीवृक्षनबंधेगपरापातिनमें पानीरह्योघाट में॥ यहकलिकालनेबिहालकियोसबजग, नायकसुकविकैसीबनीहैकुठाटमें। रजरहीपन्थनरजाईरहीशीतकाल, राईरहीराईतेरनाइरहीभाट में ११ भोजभनैएतेहोत हलकेहरामजादे, होशहीनहीजनसौंहर्गिजहितैयेना। कलहीकलंकी कूरकृपणकुनामीकाक, कपटीकुकर्मीक्रोधीकिंचितहितैयेना॥ चूतियाचवाईचोर चंचलचलांकचित्त, चोपचोपचखतिनतरफचितैयेना। बदी बंदराहीबदनामी बदकौलबद, बेदरद बेदिल सोंबातहूबतैयेना १२ जैसेफलभरेकोबिहंग

छांड़िदेत रूख, भुवा देखि सुवा छोड़े सेमरके डारको। सुमनसुगन्धबिनजैसेअलिछोड़देत, मोतीनरछोड़देतबिनाआबदारको॥ जैसेसूखेताल कोकुरंगछोड़देतमग, शिवदासचितफाटेछोड़ देतयारको। जैसेचक्रवाकदेशछोड़देतपावसमें, तैसेकविछोड़देत ठाकुरलबारको १३ दातातेदु नीमेंसूमकाजेजानियतइमि, कायरकोजानियेस मरमाहँशूरते। पापीतेप्रकटपुण्यजानियेदुखीते सुखी, निधनीकोजानियेसुधनीधनकूरते॥ भा खतसकलजानेभूपतेभिखारीचोर, साहुतेपिछा नेऔचतुरचित्तेकूरते। रातदिनसूरतेयोंकंचन कचूरनर, जान्योजातयाविधिशहूरबेशहूरते १४ राजारावराजेबादशाहजेजहानजाने, हुकुमनमा नहुकुमनतरआनेहैं। शूरबीरसंगनमेंसुघरप्रसं गनमेंरीतिरसरंगनमेंअतिहीबखानेहैं॥ श्याम लालसुकबिजहानमेंनतोसेभूप, खोजिहारेपात.

पातश्राजकेजमाने हैं। हममरदानेजानिबिरदत्र
खानेपर, द्वारेचोपदारकहैसाहिबजनानेहैं १५
मायाकेनिशानजेनिशान अपकीरतिके, जनंत
जहानकहूंकहूंऊसरनसों। कुंजसीकुराहीअंगऐ
बीगुमराहीगुनी, देखिअनखायपगेपापकेकुरन
सों॥ हरजूसुकविकहैबचनअमोलनके, जात
कुरबातनबसातिअसुरनसों। मांगतहैनामकर
तारपैपुकारिकहौं, परैजनिकामऐसेसमससुरन
सों १६ गुनबिनधनुजैसेगुरुबिनज्ञानजैसे,मान
बिनदानजैसेजलबिनसरहै। कण्ठबिनगीतजैसे
हितबिनप्रीतजैसे, वेश्यारसरीतजैसे फलबिन
तरहै॥ तारबिनजन्त्रजैसेस्यानेबिनमन्त्रजैसे,
पुर्षबिननारिजैसेपुत्रबिनघरहै। टोड़रसुकबिजैसे
मनमेंबिचारिदेखो, धर्मबिनधनजैसेपक्षीबिनपर
है १७चन्दबिनरजनीसरोजबिनसरवर, तेजबिन
तुरँगमतंगबिनमदको। बिनसुतसदननितम्बि

नीसुपतिबिन, बिनंधनधरमनृपतिबिनपदको ॥ बिनहरिभजनजगतसोहैजनकौन, नौनबिनभोजनंबिटपबिनछदको। प्राणनाथसरससभान सोहैकबिबिन, बिद्याबिनबातनानगरबिननदको १८ बिद्याबिनद्विजऔबगैचाबिनआम्नको, पानीबिनसावनसुहावननजानीहै। राजाबिनराजकाजराजनीतिशोचेबिन, पुण्यकीबसीठीकहोकैसेधौंबखानीहै॥ कहैजयदेवबिनहितक्रोहितूहैजैसे, साधबिनसंगतिकलङ्ककीनिशानीहै। पानीबिनसरजैसेदानबिनकरजैसे, शीलबिननरजैसमोतीबिनपानीहै १९ ॥ छप्पय ॥ तजहुजगतबिनभवनभवनतजितियबिनकीनी। तियतजिजनसुखदेयसुक्खतजिसम्पतिहीनी॥ सम्पतितजिबिनदानदानतजिजहँनबिप्रमति। बिप्रतजहुबिनधर्मधर्मतजियबिनभूपति ॥ तजिभूपभूमि बिन भूमितजि दीहदुर्ग्गबिनजोबसे।

तांजदुर्ग्गसुकेशवदासकवि जहांनजलपूरणत्व सै २० ॥ कवित्त ॥ शामिलमेंपीरमेंशरीरमेंनभेदराखैं, हिम्मतिकपटकोउघारेतोउघारिजाय । ऐसो ठानठानेतोबिनाहूयन्त्रमन्त्रकिये, सांपकेजहरको उतारेतोउतरिजाय ॥ ठाकुरकहतकछूकठिननजानोअब, हिम्मतिकियेतेकहोकहानसुधरिजाय । चारिजनेचारिहूदिशातेंचारोकोनगहि, मेरुकोहूलायकैउखारेंतोउखरिजाय २१ बैरप्रीतिकरिबेकीमनमेंनराखैंशंक, राजारंकदेखिकैनछातीधकधाकरी । आपनीउमंगकीनिबाहिबेकी चाहजिन्हैं, एकसोदिखात तिन्हैंबाघऔरबाकरी ॥ ठाकुरकहतमैंबिचारिकैबिचारदेख्यो, यहैमरदाननकीटेकबातआकरी । गहीतौनगही जौन छोड़ी तौनछोड़दई, करीतौन करीबातना करीसोनांकरी २२ नटकोनधामनानपुंसकको कामनाहिं, ऋणीकोअरामबामबेश्यानासहेल

री। जुवाकोन्नशोचंमासहारीकोनदयाहोत, कामीकोननातोगोतछायानसहेलरी ॥ देवीदास बसुंधामेंवणिक न सुनोसाधु, कूकर को धीरजन मायाहैसहेलरी। चोरकोनयारबटपारकोनप्रीति होत, लाबरनमीतहोत सौतिनासहेलरी २३ जारकोबिचारकहागणिकाकोलाजकहा, गदहाकोपानकहाआंधरेकोआरसी। निर्गुणीकोगुण कहादानकहा दारिदीको, सेवाकहासूमकीअरण्डकीसीडारसी॥ मदपीकोशुचाकहासांचकहा लंपटीको, नीचकोबचनकहाश्यारकीपुकारसी। टोड़रसुकबिऐसेहठते न टारेटरैं, भावेकहौसूधी बात भावैकहौफारसी २४ कंजबनमानिमूनहंसजनआयफिरैं, गन्धबनभृङ्गनको भङ्गकरिडारेतें। पाकेफलजानिशुकपुंजपछितानेआय, पाय कैबसन्तबातबृथापातडारेतें ॥ दूरितेंबिलोकि अरुणाईअतिफूलनकी, आमिषअधारगीधवा

यसबिड़ारे तें । एरे तरुसेमरकेसिफततिहारी कहा, आशदियेपक्षिननिराशकरिडारेतें २५ ॥ छप्पय ॥ समैमेघबरषंतसमैशिरहोइसबैफल । तरुनापानीसमैसमैईजातिदेइबल ॥ समैसिद्ध हूमिलैसमैपण्डितहूचूकै । समैप्रीतिचितघटैसमैसरवरहूसूकै ॥ कोउद्धारजुआवैसमैसिर समैपायगिरवरहिंगिर । गोबिन्दअटलकविनन्दकहिजोकीजैसोसमैसिर २६ ॥ सवैया ॥ बिनभेदनभेदनजांनेकछू मतिकीअनुसारलहीसोलही । नहिंवेदपुराणकीरीतिकछू अनरीतिकीटेवगही सोगही ॥ समुझायेनहींसमुझैगुरुकेगुरुकीअपमानलहीसोलही । यहतामसज्ञानअनन्यभने पुनिमूरखगांठिगहीसोगही २७ ॥ दोहा ॥ दुष्टन छांड़ेदुष्टता,सज्जनतजैनहेत । कज्जलतजैनश्यामता, मोतीतजैनसेत २८ गुणमेंऔगुणखोजहीं, छियेनसमझैंनीच । ज्योंजूहीकेखेतमें,शूकर

खोजतकीच. २९ अगरदुष्टजेजीवहैं, शिरतजि अपयशलेहिं। सनतनखालकढ़ायके, परतरब न्धनदेहिं ३० सज्जनऐसोचाहिये, जैसोआकोदु द्ध। औगुणऊपरगुणकरै, तोजानोकुलशुद्ध ३१॥ सवैया ॥ बैदकोबैदगुणीकोगुणीठगकोठगठूम ककोमनभावै। कागकोकाग मरालमरालको कां धगधाकोगधाखजुलावै ॥ कृष्णभनैबुधकोबुध त्यों अरुरागीकोरागीमिलैसुरगावै। ज्ञानीसो ज्ञानीकरैचरचा लबराकेढिगालबरासुखपावै ३२ बन्धुबिरोधकरोसिगरो झगरोनितहोत सुधारस चाटत। मित्रकरैकरनीरिपुकी धरनीधरदेखिन न्यावानिपाटत॥ रामकहैबिषहोतसुधा घरनारि सतीपतिसोंचितफाटत। भाविधनाप्रातिकूलजबै तबऊंटचढ़ेपरकूकुरकाटत ३३ पायँविहीनकेपा यँपैलोट्योअकेलहैजायघनेबनरोयो। आरसी आंधरेआगेधरयो बहिरेसोंमतोकरिउत्तरजोयो॥

ऊसरमेंबरस्योबहुवारि पषाणकेऊपरपङ्कजबो
यो। दासवृथाजिनसाहबसूमकी सेवनमेंअपनो
दिनखोयो ३४ भूलिनदानकरैदमरी रणमेंनक
बूँकिरपानचलाइस। पोतगनायधरेघरमेंकरैभू
ठीसोपांचनमेंफरमाइस॥ बातेंबनायकैनोनीनिइ
जिनयाचककोजियराभरमाइस। रामकहैनरहै
चिरचौकस चीकनेठाकुरकीठकुराइस ३५ पीन
सवासीप्रवीनमिलैं लौ कहांलौंसुगन्धीसुगन्धसु
घावै। कायरकोपिचढ़ैरणमेंतौ कहांलगिचारण
चावबढ़ावै॥ जैसेगुणीकोमिलैनिगुणी तो पुखी
कहैक्योंकरताहिरिझावै। जैसेनपुंसकनाहमिलै
तौकहांलगिनारिशृँगारबनावै ३६ धोईसीचून
रीरूईसीकंचुकीतैसेसिंधोरासेनूरनचोखा। धौं
कबकांलहँगाधराभावन पायोपराकहुँताजभरो
खा॥ चूरींपरैकरतेसरकी तरकीचरकीसबबात
मेंधोखा। नेगीकहैंहमआजुलख्योयहसूमयती

मचढ़ावअनोखा ३७ ॥ कवित्त ॥ पढ़ननदेतहैं कवित्तबाजेभावनको, बाजेचुपचापसुनिनीबिसी अचैरहैं । बाजेदशबीशगूढ़पूछिदशकूटनको, मूढ़शतसाखिनकीचरचामचैरहैं ॥ बाजेअफसो सकरैंबाजेराहरोसधरैं, बाजेदेभरोसदरबारमेंन चैरहैं । बाजेसूमम्मूकादेतपाथरलगायछाती, बा जेसूमसाहिबसुपारीसीअचैरहैं ३८ ह्वैकेमहारा जहयहाथीपैचढ़ेतोकहा, जोपैबाहुबलनिजप्रज निरखायोना । पढ़िपढ़िपण्डितप्रवीणहुभयेतो कहा, बिनयबिवेकयुतजोपैज्ञानगायोना ॥ अम्बु जकहतधनधनिकभयोतोकहा, दानकरिजोपैनि जहाथयशछायोना॥गरजिगरजिघनघोरनिकियो तोकहा, चातककेचोंचमेंजुरंचनीरनायोना ३९॥ छप्पय ॥ जिहिमुच्छनधरिहाथकछूजगसुयशन लीनो । जिहिमुच्छनधरिहाथकछूपरकाजनकी नो ॥ जिहिमुच्छनधरिहाथकछूपरपीरनजानी ।

जिहिमुच्छनधरिहाथ दीनलखिदयानआनी ॥
मुच्छनाहिंवेपुच्छसम कबिभरमीउरआनिये।
नहिंबचनलाजनहिंदानखगतिहिमुखमुच्छनजा
निये ४० जीभियोगअरुभोगजीभिसबरोगबढ़ा
वै। जीभिकरैउद्योगजीभिलैकैदकरावै॥ जीभि
स्वर्गलैजायजीभिसबनर्कदिखावै। जीभिमिला
वैरामजीभिसबदेहधरावै॥ जीभिओठएकत्रक
रिबांटसिहारेतोलिये। बैतालकहैबिक्रमसुनोजी
भिसंभारेबोलिये ४१ टकाकरैकुलहूलटकामिर
दंगबजावै। टकाचढ़ैसुखपालटकाशिरछत्रधरा
वै॥ टकामाइअरुबापटकाभाइनकोभैया। टका
सासुअरुससुरटकाशिरलाड़लड़ैया॥ एकटका
बिनटुकटुकाहोतरातअरुरातदिन। बैतालकहै
बिक्रमसुनोधिकजीवनइकटकेबिन४२॥ कवित्त॥
तेलनीकोतिलकोजमेरकोफुलेलनीको, साहिब
ददेलनीकोसैलनीकोचन्दको। बिद्याकोबिवाद

नीकोरामगुणनादनीको, कोमलमधुरसदास्वाद
नीकोकन्दको ॥ गऊनवनीतनीकोजेठहूकोशीत
नीको, श्रीपतिजूमीतनीको बिनाफरफन्दको।
जातरूपघटनीकोरेशमकोपटनीको, बंशीबटतट
नीकोनटनीकोनन्दको ४३ चोरीनीकीचोरकीसु
कबिकीलबारीनीकी, गारीनीकीलागतीससुरपु
रधामकी । नाहींनीकीमानकीसयानकीजबान
नीकी, ताननीकीतिरछीकमाननीकीकामकी ॥
तातन्हकीजीतनीकी निगमप्रतीतनीकी, श्रीप
तिजूप्रीतिनीकीलागेहरिनामकी । रेवानीकीबा
नखेतमुदरीसुठेवानीकी, मेवानीकीकाबुलकीसे
वानीकीरामकी ४४ तालफीकोअजलकमलबि
नजलफीको, कहतसकलकबिहबिफीकोरूमको।
बिनगुणरूपफीकोऊसरकोकूपफीको, परमअनू
पभूपफीकोबिनभूमको॥ श्रीपतिसुकबिमहाबेग
बिनतुरीफीको, जानतजहानसदाजोहफीकोधू

को। मेंहफीकोफागुनअबालककोगेहफीको, नें
फीकोतियकोसनेहफीकोसूमको ४५ सारसके
ादनकोबादनासुनतकहूं, नाहकहीबकबादंदा
दुरमहाकरै। श्रीपतिसुकबिजहांओजनासरोज
नकी, फुलनाफजूलजाहिचित्तदैचहाकरै॥ बक
नकीबानीकीबिराजतिहैराजधानी, काईसोकलि
तपानीहेरतहहाकरै। घोंघनकेजालजामेंनरईसे
वारव्याल, ऐसेपापीतालकोमराललैकहाकरै४६
खातहैंहरामदामकरतहरामकाम, धामधामति
नहींकेअपयशछावैंगे। दोजकमेंजैहैंतबकाटिका
टिकीराखैंहैं, खापरीकोगूदकागटोंटानिउड़ावैंगे॥
कहैकरनेशअबघुस्सानितेबाजितजै, रोजाऔनिं
माजअन्तयमकाढ़िलावैंगे। कबिनकेसामिलेमेंक
रैजौनखामीतौन, निमकहरामीमेरकफननपावैं
गे ४७ चूकजातजौहरीजवाहिरपरखजाने, चूक
जातपण्डित्तपढ़ैयावेदचारीके। चूकजातघोड़ेको

चढ़ैयाअसवारपूरी, चूकजाततबाजेरोजगाररोज
गारीके॥ चूकजातमेघमेंघराजनकीबातहूमें, ले
खीचूकजातयालिखैयालेखधारीके। बानकिरपा
नकोघलैयापूरोचूकजात, एकनहींचूकेहैंचुगुलचू
तमारीके ४८ बाबूदेतसैकरोंकरोरोंबादशाहदेत,
लाखोंदेतराजारावहाथीघोड़ासँड़िया। साहुदेत
सत्तरपचासज़मींदारदेत, तीसदेतफौजदारबीस
देतबँड़िया॥ चौदेदेतचौधरीसवाईसातसूमदेत,
पांचदेतकानागोयचारदेतडँड़िया। तीनदेततेली
सुतमालीहमैं एकदेत, अधमअधेलीदेतसूका
देतगँड़िया ४९ जामेंदुअधेलीचारपावलीदु-
अन्नीआठ, तामेंपुनिआनलखोसोरहसमातहै।
बत्तिसअधन्नीजामेंचवसठपइसाहोत, एकसोअ
ठाइससुधेलागुनमातहै॥ युगशतछप्पनछदाम
तामेंदेखियत, दमरीसुपांचशतबारहलखातहै।
कठिनसमैयाकलिकालकोकुटिलदैया, सगलरुपै

याभैयांकापैदियोजातहै ५० पण्डितनकाजेसी
खेभागवतज्ञानगीता, श्रोताहेतसीखेसारबेदन
कोबांचिबो । कबिनकेकाजेसीखेपिंगलपुरानछ
न्द,दोहागाहचौपईकबित्तनकोसांचिबो ॥ कलां
वतकाजेरागमाभ्कीसबसीखलीने, आपमुखगा
वैंरागरागिनीनरांचिबो। देबेकाजेमहासूमइतने
कसबजाने, कसररहीहैइकतातताथेईनाचिबो ५१
दोहराकबित्तबैतगज़लसुनावैकोय, छन्दहूसुनावै
ताहिदेतनपसमहै । पाहुनीजोआवैताहिपानि
हूनदेतसब, जानतजहानयहकुलकीरसमहै ॥
मोहररुपैयाकहोकौड़ीकोचलावैकौन, बाहिरन
जानपावैभवनकीभसमहै । लेइबेकोहोयतो
हजारोंपरहाथउड़े, बाजेबाजेलोगनकोदेबेकोक
समहै ५२ देखतकेद्रूमनमेंदीरघसुभायमान,
कीरफलचाखिबेकोताकोमनठग्योहै। लालफल
देखिकेजटानमड़रानलागे, देखतबटोहीबहुतेरे

डगमग्योहै ॥ गंगकहैफलफूटेभुवाउधरानलागे, सबननिराशह्वैकेनिजगृहभग्योहै। ऐसोफलही नवृक्षभयोबसुधामेंयारो, सेमरअभागाबहुतेरन कोठग्योहै ५३ कबिकोनमानेऔनज्ञानगुरुलो गनको, हरिकीनभक्तिहैनदाननभिखारीमें। मा नेअहमेवहमआयनरदेवमेरी, करैसबसेवऐसे भूले डौलभारीमें ॥ कहै युगराज महाधर्मकोन कौजकछू, बैठकेसमाजबातकहैंऐंड़दारीमें। रा जीनसिपाह औरजंगकी उमाहजहां, यशकीन चाहऐसीथूकसरदारीमें ५४ कौनकाजभौंरनको कमलबुलावतहैं, कौनकाजवृक्षनपखेरूमड़रात हैं। चन्द्रमाकीचिट्ठीकहूंगईहैचकोरनको, मेघ कीगराजतेमयूरहरषातहैं ॥ आजलोंसरोवरको हंसनाबुलायोकहूं, दौर २ फेर २ योहींकुररात हैं। बूझि देखी गुणीजन पण्डितप्रवीणलोग, जहांभावदेखतहांआपहीसोजातहैं ५५ चन्द्रमा

पैदावाजिमिकरतचकोरगन, घननंपैदावाकैम-
यूरहरषातहैं। भानपरदावाकरबिकसतकंजपुंज,
स्वातीबुन्ददावाकरचातकचचातहैं॥ सुकबिनि
हालजैसेकरीकेकपोलनपै, अलिनअवलिकरि
नितमड़रातहैं। ऐसेमहराजनपैदावाकबिराज
नको, धूतनकेद्वारेकहूंमूतननजातहैं ५६ सा
हूभयेसूंमड़ासुबादशाहहीनहद, खग्गेखग्गरंटन
खुसाल्लाबिंचखाईहै। भोलेभयेभूपतिकनौड़ेधनी
वंतसब, मूरखमहन्तअन्धदेतनादिखाईहै॥ का
यथकपूतभयेकूररजपूतधूत, बनियांबरूथपेखि
पुंजपल्लताईहै। काकेढिगजाईकाहिकबितसुना
ईभाई, अबकविताईरहीफजिहतिताईहै ५७
ऐसे २ दानीपूरेप्रकटभेकलिबीच, देवैंनादिवावैं
आपपायाकरैंनोसहैं। नेंनासुनावैंदुखदीनताकी
बातकछू, निपटअजानह्वैकेबैठतखमोसहैं॥ क
हतनचीजचीजसेत २ एकसार, देखेंनादिखावैं

आपआंखेंनाहिंगोसहैं। सैलनकोचलैंतबगढ़ही तेशोरहोत, बचो२ हटो२ फीकीपोस २ हैं ५८॥ सवैया॥ आंधरेकोप्रतिबिम्बकहा बहिरेकोकहा सुररागकोताने। आदीकेस्वादकहाकपिको पर नीचकहाउपकारकोमाने॥ भेड़कहालेकरैबुकवा हरवाहजवाहिरकापहिचाने। जानेकहाहिजरा रतिकीगति आखरकीगतिकाखरजाने ५९॥ कवित्त॥ पण्डितकविन्दनकीबूझहैनकूरनके, कथककलांवतफिरततानगानेको। कहतउदेस देखिसमरसपूतनको, घोड़ेकेचढ़ैयनकोचनान चबानेको॥ आदरसोंलेतताहिजौनवाहियातबके, छोड़िकेपुराणवेदधरमकेबानेको। जुरिके गवांरगट्टाबैठचवहट्टादेत, आल्हाकेगवैयाको रुपैयारोजखानेको ६०॥ सवैया॥ चरचाकुट नीनकीनीकीलगै भडुआनकीखातिरताजीरहैं। रँड़ियानकीलागैंभलीबतियां गँड़ियानकीत्यों

सरताजीरहैं॥ नहींजातहैबातगुनींकीसुनीकबि
कोबिदतेइतराजीरहैं। निशिबासरपासजोपाजी
हैंतौमहीपयाकालकेराजीरहैं ६१ ॥ कवित्त ॥
पायेकामदारी फूटजातनैनचारी पर, जाततोंद
भारीकहैअमलीसोआम हैं। लौंड़िया पियारी
छोड़देतनिजनारीकरै, मंगनसोरारीतहां खोवें
खरेदामहैं ॥ नीचहितकारी बिनालाभबेरवारी
राज, काजके बिगारीनिशिदिन आठोयामहैं।
सबहीसोरारीकबिहूसोदवादारी ऐसो, निपटन
कामकामदारनकेकामहैं ६२ मेधाहोतफूहरक
लपतरुथूहरपरमहंसचूहरकीहोतपरिपाटीको।
भूपतिमँगैयाहोतठांठकामगैयाहोत, गेवरचुअ
तमदचेरोहोतचाटीको ॥ कहैशिवनाथकवि पु
ण्यकीन्हेपापहोत, बैरीनिजबापहोतसांपहोत
साटीको। स्यारसुतशेरहोतनिधनकुबेरहोत,
दिननकोफेरहोतमेरहोतमाटीको ६३ सीरल्यों

धनधामसबकामकेसुधारिबेको, सीख्योंअभिरा
मबामराखतहजूरमें । सीख्योसरजामगढ़कोट
कोगिरायबेको, सीख्योशमशेरबांधिकाटिअरि
ऊरमें ॥ सीख्योकुलयन्त्रमन्त्रतन्त्रहुकीबातसी
ख्यो, पिंगलपुराणसीख्योबह्योजातकूरमें । कहै
कृपारामसबसीखबोनिकामएक, बोलिबोनसी
ख्योसबसीख्योगयोधूरमें ६४ फूटगयेहीराकीबि
कानीकनीहाटहाट, काहूघाटमोलकाहूबाढ़मो
लकोलयो । टूटिगईलङ्काफूटिमिल्योजोबिभीष
णहै, रावणसमेतबंशआसमानकोगयो ॥ कहै
कबिगंगदुरयाधनसेछत्रधारी, तनककेफूटेतेगु
मानवाकोनैगयो । फूटेतेनरदउठिजातबाजीचौ
परकी, आपुसकेफूटेकहोकौनकोभलोभयो ६५
दानीकोउनाहिंनगुलाबदानीपीकदानी, गोंददा
नीघनीशोभाइनहींमेंलहेहैं । मानतगुणीकोगु
णहीमेंप्रगटतदेखो, यातेगुणीजनमनसावधानी

गहेहैं ॥ हयदानहेमदानगजदानभूमिदान, सु
कबिसुनायेऔपुराणनमेंकहेहैं। अबतोकमलदा
नजुजदानजामदानखानदानपानदान कहिबेको
रहेहैं ६६ पौरकेकिवारदेतघरेसबैगारिदेत, साधु
नकोदोषदेतप्रीतिनाचहतहैं। मांगनेकोज्वाबदे
तबातकहेरोयदेत, लेतदेतभांजिदेतऐसेनिबह
तहैं ॥ बागेहूकेबन्ददेतबारनकीगांठदेत, परदन
कीकाछदेतकाममेंरहतहैं। एतेपैसबैईकहैंलाला
कछूदेतनाहीं, लालाजूतोआठोयामदेतईरहत
हैं ६७ एरीमेरीबीरकंतकौनकेकमानजाहि, रा
जनकीमतिपैनचलतउपाउरी। तनद्युतिछीनभ
ईमनुवांमलीनभयो, मनसाविकलकलकरतन
बाउरी ॥ ठाकुरकहतयाजहानपैजरबफैली, भई
मतिमैलीकछूयतनबताउरी। खैबेकाजेसौंहरा
खीकीबेकाजेपापराखी, लीबेकाजेअपयशदीबे
काजेलाउरी ६८ जोपैइनद्रोहिनकोदौलतनहो

तीतौसु, पन्थिनकेपायँयहांभूलिहूनपरते। भा
गवानभागनकेजानकेअधीनहोत, कापैयेकमी
नेकलाकोटिनबिचरते॥ ठाकुरकहतगुणगान
कोबिवादकर, आपनीसभामेंबैठिकौनकोनिदर
ते। हायतोसुजाननकेउरजनहोतीतौ, अजान
येअभागेअभिमानकापैकरते ६९ मानेसनमाने
तेईमानेसनमानेसंन, मानेसनमानेसनमानपाइ
यतुहै। कहैकबिदूलहअजानेअपमानेअप, मा
नसोसदनतिनहींकोछाइयतुहै॥ जानतहैंजेऊते
ऊजातहैंबिरानेद्वार, जानबूझभूलेतिनकोसुना
इयतुहै। कामबशपरेकोऊगहतगरूरतौ वा,
आपनीजरूरजाजरूरजाइयतुहै ७० कोरीवच
मारचिरीमारकोजुयारकर, प्यारकरसदनाश्वप
चमनभायेहैं। छिपियाकुहांरनाऊदाऊकेंसुदामे
टेरो, गीधकेअगाऊहोकेजायगुनगायेहैं॥ घा
सीरामराजीहोविदुरघरभाजीखाई, पाजीभिल

नीकेबेरजूठेमुँहलायेहैं। कहियेकहांलोंकलिका
लकेअंदेशेऐसे, नीचरंगीठाकुरठिकानेहोतआ
येहैं ७१ पृथुसेपृथीशसेप्रियव्रतसेपातुरको, भां
ड़नकोभोजसेहमेशामौजकैबेको। कुटनीकोकर
नकलांवतकोकल्पतरु, बलिसमभयेबहुरूपिन
कोज्यैबेको ॥ परमउदारडांड़लाखनकोभरिबे
को, दारूकेविशेषदामरातादिनप्यैबेको। खरची
कीतंगीहैदिवानजूकोदोयभांति, ईश्वरनिमित्त
औकवीश्वरकेदैबेको ७२ स्यारनकेशादीबकवा
दीश्वानसिकरन, गीधनकीगादीबैठिदेखेकोकढ़
तहैं। होड़ाहोड़ीहाड़बोटीबोटीबांटलेहैंहम, ऐसे
कहेचीलहनकेमण्डपमढ़तहैं ॥ गाड़ेतेपरतशो
कसाड़ापरेपांयनमें, सभामेंधसतदुरगन्धसोंम
ढ़तहैं। जीवजन्तुजोरजहांतहांकरैंशोरसब, सा
हिबकेघोड़ाआजबाहिरकढ़तहैं ७३ ॥ सवैया ॥
सूरजकेरथलागेरहो याकेआगेभयोकईबेरकन्हे

या । लोमशकेलरिकाईकेखेलको भूलिगयोज
गको उपजैया ॥ ऐसोतुरंगमँगायकेभूपति दानको
काढ़ोदरिद्रकोछैया । भुशुण्डनकागलगेफिरैसंगम
नोयहकागभुशुण्डिकेभैया ७४ ॥ कवित्त ॥ काग
नकोभागअनुरागसबगीधनके, चाहिअंगअंग
नमेंस्यारनसतायोहै । पूरोक्रमपुञ्जसोंकलेवरक
लितजाको, जुरिदशपांचयोधाजोमसोंउठायो
है ॥ कहैमिथिलेशलागेअनुजभुशुण्डिकैसो,
लोहूकोनन्देशौबिशविधिनाबनायोहै । दीरघादिन
नकोसुजाहिरदिशानमांझ, ऐसोबरबाजकबिरा
जकोबतायोहै ७५ घोड़ातोपैकाकोकहुजाहीको
मैंचाकरहौं, काकोकहुचाकरतूजाकोयहघोड़ा
है । नामक्योंनलेतकाहेतूहीक्योंनपूछेजाय, दे
दिखायदेखहीतेपरेआंखफोड़ाहै ॥ एकदिनाना
मलयोअन्नआधीरातमिल्यो, सोभीगिरयो श्वा
नखायोनिपटनिहोड़ाहै । नामतोदिवानजूकोल

येकईबर्षभये, सुनेनामकाननमेंपरोजातखोड़ा
है ७६ ॥ सवैया ॥ ईंटकोबन्धननीमकोचन्दननी
चेकोनन्दनबामकोघूसा। मातेकीगानडफालती
कीतान औगूंगाकोज्ञानकपूतकोरूसा ॥ रंकको
रीभऔमौजीकीखीभ अजानकीप्रीतिजुआर
कोचूसा। राजकोदूसरोछेरीकोतीसरोरेंड़कोमू
सरोखासरखूसा ७७ कादरताजलोंभिक्षुकला
जलोंबीनऔवाजलोंलाबरलेवा। पूसकेमासमें
फूसकोतापनो भूतकोजापनोभांभरीखेवा ॥ हैं
भगवन्तइतेनहिंकामके रामकेनामकेहोहिंनले
वा। साधुकोलूटनोधर्मकोछूटनोधूमकोघोटनो
सूमकीसेवा ७८ पापकीसिद्धिसदाऋणबृद्धि
सुकीरतिआपनीआपकहीकी। दुःखकोदानजु
सूतकन्हान औदासीकीसंततिसंततफीकी ॥ बे
टीकेभोजनंभूषणडांड़को केशवप्रीतिसदापरती
की। युद्धमेंलाजदयाअरिकेअरुब्राह्मणजातिते

जीतिननीकी ७९ पातकहानिपितासँगहारिबो
गर्भकेशूलनतेडरियेजू। तालनकोबँधबन्धधरोर
कों नाथकेसाथचिताजरियेजू ॥ पत्रफटैत्र्प्रौकटै
ऋणकेसबकैसहूतीरथमेंमरियेजू। नीकीसदास
सुरारिकीगारिसुडांड़भलोजुगयाभरियेजू ८० ॥
घाघ ॥ बनियकसखरजठकुरकहीन । बैदकपूत
ब्याधिनहिंचीन॥ पण्डितचुप २ बेश्यामइल ।
कहेघाघपांचोघरगइल ८१ ॥ सवैया ॥ पुण्यको
पापसदासमुझैअरुपापकोपुण्यगनैसबकालमें।
जानसोंराखैहियेरिपुता औअजानसोंप्रीतिबकैब
हुगालमें॥ कारिकुरूपकुनामिनकोभरियामिनिहा
जिरराखैनिरालमें। शीलकोलेशनआदरकोपर
भूलेरहैमनमेंकिभुवालमें ८२ कागसोंकानलिये
ईरहैयुगमित्रनमेंकरैहांकिबिछोहा। भेदकेकाज
कितेकुटन्नानकोसाजेरहैसबलेनकोजोहा॥ लाल
चदैभरमायेरहैचिकनीबतियानकैराखतमोहा।

नातकोजाननदेतनगीचरहैपरघातमें नित्यपचो
हा ८३ हैंजितनेकलहीकपटीअरुक्रोधीकुनामी
कुमारगीभारी। चौकनचूगुलीखोरचुहेड़ाचवाई
चलांकरुलाबरबारी ॥ भावतहैंजनएतेभुवाल
कोपासनजायसकैनिजनारी। छोकरेबारहपांच
केभीतरघेरेरहैंफरमाबरदारी ८४ ।[illegible] ॥ [illegible]
देवतातेसुरऔअसुरकहैदानवत्ते, दा[illegible]
दालपैतियेलहतहै। दर्पनतेमुकुरऔदा[illegible]
क्काकहै, दासतेखवासकहिकहिनिपहतहै[illegible]
वीसोंभवानीऔरदेहरासोंकहैमठ, रै[illegible]
सीरामयाहीतोचहतहै। दानासोंचबे[illegible]
दीपसोंचिरागकहै, देयबेकेडरतेसोदानानाकहत
है ८५ लक्षनपुरीकेसबलक्षनाबिलोकियत, अक्ष
नमेंओठदैबिलक्षनहैंस्योकरैं। कोटिकुलटाकेभा
वराजतछैटाकेगुण, शीलअंगनाकेअंगनाकेस
रस्योकरैं ॥ बसैबड़ेगांवबीचचुगलजनानातौन,

बिहँसिबिहँसिमनमानेबिहँस्योकरैं । हासनाक
रतबड़ीत्रासनाकरतप्रीति, शासनाकेमाहँजौन
आसनाकस्योकरैं ८६ ऊंचीचोलीचिक्कमिस्सी
दांतनमेंबातनमें, बारबारहेरिहेरिमनमुसुकाने
हैं। मुखकेनदरशपरशमरदुमिनके, लैरहैंमुकुर
औअतरअंगसानेहैं । बेनीकबिकहैबनेठनेरहैं
आठोयाम, निपटनकामकहूंकाहूकेनमानेहैं ॥
आशयकेखानेजिनकबिनबखानेजिन, ऐसेपैन्हे
बानेतेजनानेसमजानेहैं ८७ महामिहींजामापा
यजामागुलबदनका, चीराचारुबान्हेतुराजरीके
निसारेहैं । तकियालगायबैठे हुक्कापेचवान
पीयें, खिज्मतगुजारिनतेकरतइसारेहैं ॥ बेनी
कबिकहैआहिऊहिमेंप्रबीणबड़े, धरमनचीन्हें
लाजशरमबिसारेहैं । खायबेशखानेआयबैठे
खसखानेऐसे, लाखहूजनानेलखऊमेंनिहारे
हैं ८८ सूमपतिनीसोंकहै सुनुसपने की बात,

अकथकहानीरातबरबसहारोतो । ज्ञानीमेंखरो
तोजिमीगाड़केधरोतोताहि, मनमेंबिचारिखोदि
हाथकेनिकारोतो ॥ कहैकबिरामकबिआयोइक
ताहीसमै, कबितपढ़ोतोहौंतोदीबोअनुसारोतो।
होतोकुलदागबड़ेजेठनकेभागअरे, जागनापरो
तोमैंरुपैयादयडारोतो ८९ दाताघरहोतीतोक
दरतेरीजानीजाती, आईहैभलेघरबधाईबजवा
वरी । खानेतहखाननमेंआनिकेबसेरोलेहु, हो
हुनउद्वोंसचितचौगुनोवढ़ावरी ॥ खेहौंनाखियै
हौंमरिजैहौंतौसिखायजैहौं यहीपूतनातिनको
आपनोसुभावरी । दमरीनदैहौंकबौंजानेमेंभि
खारिनको,सूमकहैसंपतिसोंबैठीगीतगावरी ९०
आजकालपरसोंघरीपलबरसजाको, औधकेन
आशाऋषिलोमशलहतहैं । सनमुखभिक्षुकवि
लोकिबिवरणहोत, हाथजोरिशीशनायपांयनप
रतहैं ॥ स्वादहीनसुन्दरइँद्रारनकेफलऐसे, बने.

ठनेरहैंपैनकबिसरहतहैं। सूमनकेसरिताबिलो
किअवगाहियत,देतशठनाहींअरुनाहींनाकहत
हैं ६१ अगनबचाये शुभचारोमननायेअरु,
उक्तउपजध्यकैबिसारोनामहरिका। लोभकेअ
ज्ञानमेंसयानसबभूलिगये, कीबेपरेऐसईअधम
ऐसेअरिका॥ कहैंकबिलोगहमदानकीकहांलों
कहैं, मांगेसेनदियोजायजासोंद्वैकखरिका। सूम
केकबित्तकरिमनमेंगलानिहोत, पैरप्रछतायबो
छिनारकैपेलरिका ६२॥ सवैया॥ जलपीवैतो
पीवैनखावैकछूजेहिचित्तनहींअभिलाखिबेहै।
बरबित्तकीबातैंकछूनाकरै मनहूंतेकछूनहींभाखि
बेहै॥ नितनित्तकबित्तकहैयशके जेहिप्रेमसुधा
रसचाखिबेहै। कहूंकोऊजोऐसोमिलैकबिएक
सुतोहमहूंकहँराखिबेहै ६३॥ कवित्त॥ काहू
एकदासेकहूंसाहिबके आसेमेंकित्तेकदिनबीते
रीतेसबभांतिभलहै। व्यथाजोबिनैतेकरैउतरय

हैसोलहै, सेवाफलहैहीरहैयामेंनहींचलहै ॥
एकदिनहासहितआयोप्रभुपासतन, राखोन
पुरानोबासकोऊएकथलहै । करतप्रणामसोबि
हँसिबोलेयहकहा, कह्योकरजोरियहंसेवाहीको
फलहै ९४ ईशकेभजन में न भूसुरकेतनमेंन,
रंकधाम अनमेंकहूंनबृन्दाबनमें । ज्ञातिगुरु
जनमेंनधोखेपितृगनमें, नउंठेकबितनमेंनवेद
उचरनमें ॥ कहैकबिरामतेबसतप्रेततनमेंबि
चारिदेखोजनमेंदयानजाकेतनमें । कहापरगन
मेंबनायधनीगनमेंन, लागेहरिजनमेंतोथुकऐसे
धनमें ९५ बानेमरदानेकेहेरानेहैंनहेरेमिलैं,
चेरेमिलेकामकेजनानेसेबदरहै । तानेजेतनतते
ऊचलतउतानेताकि, तबहूंबिकानेपेलड़ावतस
दरहै॥ युगलाकिशोरऐनकानुनकदरपावैं, वेदऔ
पुराणनकोनेकनाअदरहै । बदरबुराईकेभलाई
केभगाईभाईअबकेजमानेमेंनदानेकीकदरहै९६

दंभीदगाबाजिनकीबाढ़ीहैअधिकथाप, ज्ञान ध्यानधारिनकीबातबेप्रमानाहै । पूछतनकोऊ कबिकोबिदप्रबीणनको, नकलीहरामिनकोहा जिरखजानाहै ॥ठाकुरकहतकलिकालकोप्रभाव देखो, झूठीबातकहिकहिजनमसिरानाहै । बड़े बड़ेसूबातेऊजातपापडूबायह, देखिजियऊबा की अजूबाकारखानाहै ९७ राजनकीनीतिगई मीतनकीप्रीतिगई, नारिनप्रतीतिगईजगरजिय भायोहै । शिष्यनकोभावगयोपंचनकोन्याव गयो, सांचकोप्रभावगयोझूठहिसोहायोहै ॥ मेघनकीवृष्टिगईभूमिसुतोनष्टभई, सृष्टिपैसक लबिपरीतिदरशायोहै । कीजियेसहायहेकृपाक रगोबिन्दलाल, कठिनकरालकलिकालबनिआ योहै ९८ देखेगनिकाकेमनकाकेनअनन्दहोत, सन्तद्विजदेखेमनआगसीलगतहै । निन्दकन कलबालेसालेसालओढ़बैठें, पण्डितपुरानसब

ठारेमेंठरतहैं ॥ कहैकबितोषजगताहीकोसपूत
कहै, छलबलकरिपरसंपतिहरतहैं । भलेअनभ
लेअनभलेभलेठहरात, कलिकेकुचालकछुजानि
नापरतहैं ९९ बेदकेपढ़ैयाकोअढ़ैयाकोनयोगला
गै, आल्हाकेगवैयाकोरुपैयारोजखानोहै ॥ होती
क्योंनहोतीगरेपोतीकुलनारिनको, हारवारनारि
नकोबसनखजानोहै ॥ माखनकहतगुड़पैसाकोप
सेरीभर, वैसहीकोपैसाभरमाहुरबिकानोहै । यारो
गुणमानोऔरगुणकोनदोषदेहु, गुणनाहेरानो
गुणगाहकहेरानोहै १०० ॥ सवैया ॥ बापददाको
जुशीलनराखतदुर्जनसोंनहिंदापदपेटा । सज्जन
सोंनहिंशीलनिबाहतयाचकसोंनहिंप्रेमलपेटा ॥
द्वारखड़ेतिन्हेंबातनपूछत भीतरपांवपसारिकैले
टा । विंप्रप्रसादबिचारिकहैबरुडूबिमरेकुलबोरन
बेटा १०१ गर्जपरेतकैंबहुअर्जपरेंपुनिधायकेपां
इनमें । जीमेंदयानहयाहियमेंहठिदेतदगायेकु

दाइनमें ॥ रामनऐसीकठोरकहूंहमदेखीहैजाइ
कसाइनमें । हैंबनियाबनियायकेसाथीनभूलि
योबातमिठाइनमें १०२ चींटीलगीचहुंपांयनमें
अरुमाछीलगीऔमछेवलगैयां । ऊपरकाकक
लोलैकरैंचिलिहियाचिंचियातफिरैंचहुंठैयां ॥ श्वा
ननघातलगायेरहैं अरुगीधसियारकीसिद्धरोसै
यां । घूमतघोड़फिरैकबिदानकेनाकबिलेतनले
तगोसैयां १०३ सांपसुशीलदयायुतनाहर का
कपवित्रऔसांचोजुआरी । पावकशीतलपाहन
कोमलरैनिअमावसकीउजियारी ॥ कायरधीर
सतीगणिका मतवारोकहामतवारोअनारी ।
मोतियरामबिचारिकहैनहिंदेखीसुनी नरनाहकी
यारी १०४ कानितजैंअपनेकुलकीतुरफैनसों
लीबेकोसानचलावें । एककोदेतदिलाशांप्रसन्न
ह्वै एकसोंमोटरीलैघरआवें ॥ हैंपरमेश्वरपंचन
मेंपरनेकनहींतिनकोउरलावें । नर्कपरैंतिनकेपु

रिखाजे प्रपंचकरैंअरुपंचकहावैं १०५ पण्डित
पण्डितसोंखलमण्डित शायरशायरसोंसुखम
ने। संतहिसंतभनंतभले गुणवंतहिकोगुणवंत
बखाने ॥ जाकहंजापहँहेतनहींकहियेसुकहानि
नकीगतिज़ाने। शूरकोशूरसतीकोसती अरुद
सयतीकोयतीपहिंचाने १०६ नीतिबुझायोरु
झायेसुंप्रीतिकै नेकनहींतिनकोसनमाने । ह
निऔलाभकोबूझैनहीं मनदीनेमिजाजबितान
कोतानें ॥ सांचकह्योगिरिधारनजू करतब्यकह
सोनहींपहिंचाने । केतोउपायकरोधरिचायो
मूरखदण्डबिनानहिंमाने १०७ मारनकेपनके
यदुरायरहे इतआवनआपुकहाई । जामेंबढ़े
कुलकानिनहीं हमयोंगुनिरोकेतिन्हैंसमुझाई ॥
सोउपकारगयोसिगरो अरुऔरहूगारीदईमन
भाई । मूरखकेमधिमेंपरिबोगिरिधारनहैगुरुमू
रखताई १०८ ॥ कवित्त ॥ देनकह्योघोरानाहि

अबहींतूमांगतहै, अबहींतोघोराजबघोरीसों लगाइये। तबजायजनिहैमहीनादशबारहमें, यतनअनेकजगदीशजोजिवाइये॥ पाछेदूध प्यायपालिपोसिकेखवायवाय, मुहँदैलगामअ सवारीकोसिखाइये। आपुचढ़िबेटाचढ़ितिनहूं केनातीचढ़ि, तबजायतोहिंकहूंद्याइयेतोद्या इये १०९ धर्मकेनकर्मकेकुकर्मिनकेमूलमूढ़, महामतिमन्दरहैंबिषमसमीरके। हेमकहैहित केनपितुकेनमित्रनके, चित्तकेमलीनहैंअधीन दलगीरके॥ बानीबेदवानकेनकलमाकुरान केन, रामरहमानकेनअयशीगंभीरके। बिप्रके नईशकेनपण्डितकबीशकेसो, बाजे २ बेशहूर गुरुकेनपीरके ११० कृपणकंजूसबड़ेगुणकेम जूसजेर, दैहैकननूसराखेनियतभिखारीमें। दानकोनजानेसनमानकोनआनेगुण, मानको नमानेरहैंशिश्नबरदारीमें॥ ठाकुरकहतभली

बुरीकोनशोचैंनेक, रातदिनदासचिंत्तराखैमारा मारीमें । राजीनासिपाहऔनजंगकीउमाह जिन्हैं, जसकोनचाहऐसीथूकसरदारीमें १११ शौकशेरमारिबेकोसभामेंसुनावैसदा, स्यारहूनमारयोकहूंभारीकीभरीनको । हाथमेंनजाके जोरसेस्केउठायबेको, जिह्वातेउठायोकरैपुञ्जशिखरीनको ॥ ग्वालकविकहैश्रीयुधिष्ठिरसोसांचोबनै, देतसबहीकोदामयामऔघरीनको । बाजेबाजेभूपऐसेबेशरमहोयजात, राखलेतहाथीचारोडारततचिरीनको ११२ कुटिलकुढंगीहैवुरंगीहैकुअंगीरूप, कायरकपूतपूतकुमतिकुसंगीहै । कंकीहैकलंकीबहुपापिनमेंलंकीयह, खलहैखलेसीबैनबोलतदुरंगीहै ॥ भनैभुवनेशभेसभूतसोंदिखातंयाको, मंगीहैमलीनभर्मभूतलमेंदंगीहै । भंगीहैअनंगीहैअरंगीहैनरंगीबुद्धि, दंगीद्गाबाजहैतरंगीदेहतंगीहै ११३ ॥ सवैया ॥ द्वार

पैआयकैदेखैकहातौविराजरहेतहांभैरोकेवाहन।
भीतरजायसभाकेजखेतो सरासरसोहतशंभुके
वाहन ॥ पाससलाहकरैयालगेरहैंकानहमेश
गनेशकेवाहन । देवीकेवाहनजानिकेआयेहैं
गादीपैदेखेतोशीतलावाहन ११४ ॥ कवित्त ॥
दूधकोकहतक्षीरदूबकोसुघासकहै, दाड़यूंकोअ
नारनामधरिकेरहततहैं । दर्पणकोआरसीत्यों
दलकोकहंतपत्र, दूनीकोजहानकहिसुखकोलह
तहैं ॥ बल्लभदकारकहूंकानपरैवाकेकबूं, छोड़ि
केमकानह्यांतेभागनचहततहैं। दाईहूकोताईताई
कहिकेपुकारैंऔर देयबेकेडरतेवेददानाकहत
हैं ११५ तीयनपैढूकैंऔअथाईबैठिनूकैंभूखैं,
मानुषपैभूकैंकरैंचाकरपैखिस्स । दर्पणनिहारैं
पागपेंचनसँवारैंदृग, अंजनलगावैंनित्तमलैं
ह्यांतमिस्सं ॥ मांगेजवपापतोऊमरिजायबाप
वाको, देतनहींदमरीऔरकाढ़देतखिस्स । मस्न

दत्रिछायबैठेंहुक्कासुलगायआछे, डीलदारगु
म्बजअवाजदारफिस्स ११६ देखतकेमोटेभाल
चन्दनखरोटेबने, बैसकेअधोटेकुलउत्तमकेजा
येहैं । ओढ़तदुशालामालमुँदरीदिखावैंमूढ़,
करतकंजाकीकामकहोकाकेआयेहैं ॥ कहैसीवा
रामसूधेतातकीनबूझैबात, पूछेतेनबोलेंमानो
हलाहलखायेहैं । रुदतीविलोकिहैबिसूरतिया
भारतमें, सूरतहरामरामकाहेकोबनायेहैं ११७
सत्यतेप्रतीतिहोयजाकीसबदेशनमें, सत्यतेसं
चाईऔरसत्यतेभलाईहै । सत्यहीसोंसुखपावै
यशऔधरमबढ़ै, सत्यहीतेलेवादेवासत्यतेबड़ा
ईहै ॥ साधूलालकहेहोयआदरबहुतयाते, मुक्ति
होतअन्तमाहिंपुण्यफलदाईहै । सत्यविनामा
नुषकेदंरजारहतनाहिं, यातेचतुराननसोसत्य
उपजाईहै ११८ जारपरेजोरजातजवपरेभूमि
जात, भूमिजातजोबनअनंगरससरसूहै। गढ़ढाहे

जातगरुवाईऔगरबजात, जातसुखसाहिबीस
मूहसरबसहै ॥ कहेहेमनाथधनसम्पतिबिपति
जात, जातदुखदारिददरुनदरबसहै। बागकटि
जातकुआँतालपटिजातनदी, नदघटिजातपैन
जातजगजसहै ॥ ११६ ॥

इति श्रीविचित्रोपदेशस्यप्रथमखण्डःसमाप्तिमगात् ॥